लाला जगत नारायण की पुण्यतिथि पर पत्रकारों का अनूठा आयोजन

बुढ़ार में ऐतिहासिक रक्तदान शिविर: 78 लोगों ने दिया जीवनदान

बुढ़ार। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लाला जगत नारायण जी की 44वीं पुण्यतिथि के अवसर पर बुढ़ार में स्थानीय पत्रकारों द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बुढ़ार स्थित नेहरू डिग्री कॉलेज के समीप श्री श्रृजा मल्टीप्लेक्स परिसर में सुबह 10 बजे प्रारंभ होकर देर शाम तक चला। जिला चिकित्सालय शहडोल की ब्लड बैंक टीम की देखरेख में आयोजित इस शिविर में 78 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर ऐतिहासिक रिकार्ड बनाया।

न्यायाधीश, जनप्रतिनिधि और पत्रकार संगठनों की रही सहभागिता

इस अवसर पर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशील कुमार अग्रवाल और न्यायिक दंडाधिकारी लक्ष्मण रोहित विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों माननीय न्यायाधीशों ने आयोजनकर्ताओं को बधाई देते हुए रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और ब्लड बैंक की टीम को इस पुनीत कार्य हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता संघ अध्यक्ष जयकांत मिश्र समेत दो दर्जन से अधिक अधिवक्ताओं ने भी रक्तदान व विधिक सहायता शिविर में हिस्सा लिया। शिविर में ब्लड बैंक की ओर से डॉ. शमीम अहमद अंसारी, योगेश मरकाम, बृजेश श्रीवास्तव, लैब टेक्निशियन, श्यामला राव, रामप्रसाद, हीरालाल प्रजापति, राजकुमार, एनजीओ से रूपाली सिंघई मौजूद रहीं।

नेताओं की सहभागिता

शिविर का शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ विधायक जय सिंह मरावी (जैतपुर क्षेत्र) ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस मौके पर पूर्व विधायक छोटेलाल सरावगी, धनपुरी नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंद्र कौर छाबड़ा, बुढ़ार नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी, नगर पालिका धनपुरी उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल, नेता प्रतिपक्ष शोभाराम पटेल, पूर्व उपाध्यक्ष संतोष सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल यादव और अन्य जनप्रतिनिधि

मौजूद रहे। साथ ही जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुजीत सिंह चंदेल, मनु सिंह अहिरवार, पियूष शुक्ला और ओंकार सिंह ने भी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजीव शर्मा व पूरी टीम मौजूद रही।

पत्रकारों और सामाजिक संगठनों का योगदान

कार्यक्रम की सफलता में स्थानीय पत्रकारों और सामाजिक संगठनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पत्रकारों में शंकरलाल शर्मा, मोहन नामदेव, आशीष नामदेव, गंगाधर चौधरी, नीरज शर्मा, अतीक खान, अजय नामदेव, कैलाश लालवानी, सूरज श्रीवास्तव, दिनेश चौधरी, मोहम्मद शकील सहित अंचल के दर्जनों पत्रकारों ने सक्रिय भूमिका निभाई। शहडोल से आए वरिष्ठ पत्रकारों में अनिल तिवारी, अमित दुबे, शिरीष नंदन श्रीवास्तव, प्रकाश जायसवाल, शंभू यादव, सुधीर यादव, श्यामदास मानिकपुरी भी उपस्थित थे। इसी क्रम में सामाजिक संस्था दिशा वेलफेयर सोसाइटी के पदाधिकारी तथा स्थानीय व्यापारी संघ और मॉल के कर्मचारी भी आयोजन में शामिल हुए।

श्रद्धांजलि और सम्मान

शिविर के दौरान अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया और स्वतंत्रता सेनानी लाला जगत नारायण जी के अमूल्य योगदान को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन आज भी समाज को प्रेरणा देता है। उनकी स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन न केवल मानवता की सेवा है बल्कि युवाओं को राष्ट्रसेवा की राह पर आगे बढऩे की प्रेरणा भी है।

माननीय न्यायाधीश सुशील कुमार अग्रवाल

रक्तदान सबसे बड़ा दान है और यह जीवन बचाने का सबसे सरल, किंतु अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। आज जिस तरह से पत्रकारों ने आगे

बढक़र यह शिविर आयोजित किया, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। यहां 78 लोगों ने एक साथ रक्तदान कर यह साबित कर दिया है कि बुढ़ार की जनता सामाजिक सरोकारों में हमेशा अग्रणी रहती है। मैं आयोजन समिति और सभी रक्तदाताओं को हृदय से शुभकामनाएं देता हूं।

अधिवक्ता संघ अध्यक्ष जयकांत मिश्र

आज के समय में जब समाज तेजी से बदल रहा है, ऐसे में मानवता की सेवा करने के लिए रक्तदान जैसे आयोजन अत्यंत जरूरी हैं। अधिवक्ता संघ इस पुनीत कार्य में पत्रकारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। रक्तदान न केवल किसी की जान बचाता है, बल्कि समाज में एकजुटता और सेवा की भावना को भी प्रबल करता है। मैं सभी दाताओं और आयोजकों को साधुवाद देता हूं।

पूर्व भाजपा विधायक छोटेलाल सरावगी

स्वतंत्रता सेनानी लाला जगत नारायण जी की पुण्यतिथि को रक्तदान जैसे सेवा कार्य से जोडऩा उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उनका जीवन हमें समाजहित और राष्ट्रहित के कार्यों के लिए प्रेरित करता है। आज के इस शिविर में जिस तरह से न्यायाधीश, अधिवक्ता, व्यापारी, नेता और पत्रकार सभी एक साथ आए हैं, यह बुढ़ार की सामाजिक एकता का प्रमाण है। मैं आयोजकों को इस ऐतिहासिक पहल के लिए बधाई देता हूं।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी

रक्तदान जीवनदान है और इसे राजनीति या विचारधारा से ऊपर उठकर हर नागरिक को करना चाहिए। इस शिविर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, भाजपा नेताओं,

अधिवक्ताओं, पत्रकारों और आम नागरिकों ने एक साथ हिस्सा लिया, यह समाज की असली ताकत है। लाला जगत नारायण जी ने जो आदर्श स्थापित किए, वे आज भी हमारे लिए मार्गदर्शक हैं। मैं रक्तदान करने वाले हर व्यक्ति का अभिनंदन करता हूं और इसे अनुकरणीय पहल मानता हूं।

शहडोल, उमरिया और अनूपपुर की अनदेखी पर जनता का फूटा गुस्सा

एसईसीआर से बाहर कर जबलपुर जोन में शामिल करने की उठी मांग

शहडोल। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) की लगातार उपेक्षा से त्रस्त शहडोल, अनूपपुर और उमरिया के लोगों का आक्रोश अब खुले तौर पर सामने आने लगा है। कोयला ढुलाई से अरबों का राजस्व देने वाला यह क्षेत्र बुनियादी रेल सुविधाओं से आज भी वंचित है। आम जनता और संगठनों ने प्रधानमंत्री से लेकर रेल मंत्री और सांसद तक को पत्र लिखकर चेताया है कि अगर मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन अवश्य होगा। जनप्रतिनिधियों और संगठनों ने साफ कहा है कि एसईसीआर केवल कोयला परिवहन को प्राथमिकता दे रहा है, जबकि स्थानीय जनता की दशकों पुरानी मांगें आज भी धूल खा रही हैं। इसी कारण अब शहडोल, उमरिया और अनूपपुर को जबलपुर रेल मंडल में शामिल करने की मांग जोर पकड़ चुकी है।

30 साल से अटकी वाशिंग पिट की मांग

शहडोल में ट्रेन कोच की सफाई के लिए वाशिंग पिट की मांग बीते 30 सालों से लंबित है। तत्कालीन केंद्रीय मंत्री स्व. दलवीर सिंह और पूर्व सांसद स्व. राजेश नंदिनी सिंह के समय से उठी इस मांग को आज तक अनदेखा किया जा रहा है। वाशिंग पिट के अभाव में शहडोल से प्रस्तावित ट्रेनें दूसरी जगह स्थानांतरित कर दी जाती हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है शहडोल से प्रस्तावित कोचीन ट्रेन, जिसे अंततः कोरबा भेज दिया गया।

मुंबई ट्रेन और वंदे भारत की मांग

लोगों ने शहडोल से मुंबई के लिए सीधी ट्रेन सेवा की मांग की है। साथ ही प्रस्तावित बिलासपुर/रायपुर-मुंबई वंदे भारत ट्रेन को शहडोल से चलाने की मांग जोर पकड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब क्षेत्र इतना बड़ा राजस्व देता है तो, यहां की जनता को आधुनिक सुविधाओं से क्यों वंचित रखा जाए? 11202 शहडोल-नागपुर ट्रेन नागपुर में 14 घंटे खड़ी रहती है। लोग इसे बल्लारशाह तक बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, जिससे दक्षिण भारत से कनेक्टिविटी आसान हो। 18235 भोपाल-बिलासपुर ट्रेन को एक्सप्रेस में अपग्रेड कर एसी कोच जोडऩे और नागपुर तक विस्तार की भी मांग उठाई गई है।

लंबित रेल परियोजनाएँ

शहडोल से जयसिंहनगर-ब्यौहारी रेल लाइन का सर्वे पूर्व सांसद स्व. राजेश नंदिनी सिंह के समय ही स्वीकृत हो चुका था, लेकिन 10 साल बाद भी काम शुरू नहीं हुआ। यही नहीं, आदिवासी क्षेत्रों के पुनरुत्थान के लिए शहडोल-डिंडोरी-मंडला रेल लाइन की मांग भी लंबे समय से ठंडी पड़ी है। लोगों का कहना है कि एसईसीआर की स्थापना के समय से ही शहडोल क्षेत्र को केवल रेवेन्यू जनरेटर की तरह इस्तेमाल किया गया है। सुविधाएं देने के मामले में हमेशा दरकिनार किया गया। आज हालात यह हैं कि जनता का गुस्सा उबाल पर है और अगर उनकी मांगों पर जल्द सुनवाई नहीं हुई तो जनभावनाएँ आंदोलित होना तय है।

नकली सोने के गहनों से 1.92 लाख का कंगन ले उड़ी महिला

शहडोल। शहर के हृदय स्थल गांधी चौक स्थित एक प्रतिष्ठित ज्वेलर्स की दुकान में धोखाधड़ी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ठगों ने अब ठगी का नया तरीका अपनाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में एक महिला नकली सोने के गहने लेकर दुकान पहुंची और उन्हें असली बताकर नए गहनों से बदलवा लिए। शुरुआती जांच में दुकानदार और कर्मचारियों को गहने असली लगे, लेकिन बाद में सच्चाई सामने आई तो ज्वेलर के होश उड़ गए।

इस तरह हुई ठगी

पुलिस के अनुसार, महिला दुकान पर पहुंची और पुराने गहने दिखाते हुए उनके बदले नया कंगन पसंद किया। दुकान के कर्मचारी ने गहनों का वजन किया तो उनकी कीमत 1.62 लाख रुपये आंकी गई। महिला

ने करीब 30 हजार रुपये नकद और जोड़े और कुल 1.92 लाख रुपये कीमत का नया कंगन ले उड़ी। दुकान बंद करने से पहले जब मालिक और कर्मचारियों ने महिला के दिए गहनों की दोबारा बारीकी से जांच की तो वे नकली निकले। इसके बाद दुकान संचालक सोमेंद्र गुप्ता को समझ आया कि वह बड़े पैमाने पर ठगी का शिकार हो गए हैं। महिला ने लेन-देन के दौरान अपना आधार कार्ड दुकान में जमा कराया था। जांच में वह सविता सिंह निवासी हापुड़, उत्तर प्रदेश बताई गई है। फिलहाल पुलिस ने महिला के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज व दस्तावेजों के आधार पर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस की कार्रवाई

कोतवाली पुलिस का कहना है कि आरोपी महिला की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या महिला किसी बड़े गिरोह का हिस्सा है, क्योंकि इस तरह की वारदातें हाल के दिनों में अलग-अलग शहरों में देखने को मिली हैं। इस घटना के बाद शहडोल के सराफा व्यापारियों में हडक़ंप मच गया है। व्यापारी अब ज्यादा सतर्क रहने की बात कर रहे हैं। उनका कहना है कि नकली गहनों से ठगी का यह तरीका बेहद खतरनाक है और अगर पुलिस ने सख्त कदम नहीं उठाए तो ऐसी घटनाएं और बढ़ सकती हैं।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने पीएम जनमन योजना के तहत निर्माण किए जा रहे पीएम आवास, आंगनवाडी भवनो व अन्य निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा की। जिन ग्राम पंचायतों में पीएम जनमन योजना की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई, उन ग्राम पंचायतों के सचिवों के कार्यों पर अप्रशन्नता व्यक्त करते हुए 15 अक्टूबर 2025 तक शत-प्रतिशत निमार्णाधीन कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत किये जा रहे कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनपद एवं जिला स्तरीय अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण के दौरान पंचायतो का आकस्मिक निरीक्षण भी करे तथा किये जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा करे।

नई एक्सयूवी कार को बस ने मारी टक्कर

खेत में पलटी गाड़ी, बाल-बाल बचे चालक व मालिक का पुत्र

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के कमता तिराहे के पास बुधवार को बड़ा सडक़ हादसा हो गया। शहडोल से जैतपुर की ओर आ रही शिव शक्ति कंपनी की यात्री बस ने सामने से आ रही नई एक्सयूवी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि नई कार अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई और उसके चारों पहिए ऊपर की ओर हो गए। घटना में कार चला रहे चालक और उसमें सवार वाहन मालिक का पुत्र गंभीर रूप से दब गए। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने दौडक़र दोनों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। गनीमत रही कि दोनों को सिर्फ मामूली चोटें आई हैं, वरना हादसा बड़ा हो सकता था। जानकारी के मुताबिक, एक्सयूवी कार इसी माह ही सुरभान गुप्ता निवासी जैतपुर ने खरीदी थी। बुधवार को उनका पुत्र चालक के साथ कार से बाजार की ओर जा रहा था। तभी बस ने सामने से टक्कर मार दी और नई कार खेत में पलट गई। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बस की पहचान शिव शक्ति कंपनी की बताई है और अब मामले की जांच कर रही है।

इनका कहना है...

बस चालक पर मामला दर्ज कर जांच की जाएगी, घायलों की स्थित सामान्य है। उपचार के बाद शायद वह घर चले गए है।

जिया उल हक
थाना प्रभारी, जैतपुर

शहडोल संभाग में अधिवक्ताओं का गुस्सा फूटा

तहसीलदार पर कार्रवाई न होने से बढ़ा विवाद, न्यायालय बहिष्कार की चेतावनी

शहडोल। जिले में राजस्व अभिभाषक संघ और जिला अधिवक्ता संघ का आक्रोश लगातार उबाल पर है। सोहागपुर तहसीलदार सुमित कुमार गुर्जर पर अधिवक्ता के साथ दुव्र्यवहार करने का गंभीर आरोप लगने के बावजूद प्रशासन की ढिलाई अधिवक्ताओं को नागवार गुजऱ रही है। अधिवक्ताओं ने कलेक्टर और आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर तहसीलदार के खिलाफ तत्काल कार्रवाई और स्थानांतरण की मांग की थी, लेकिन अब तक केवल मीटिंगों और आश्वासनों के अलावा कुछ भी ठोस नहीं हुआ। इसी लापरवाही के चलते अब अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया, तो वे राजस्व न्यायालयों की कार्यवाही का बहिष्कार करेंगे।

ज्ञापन पर बैठकों का ढोंग

राजस्व अभिभाषक संघ सोहागपुर और जिला अधिवक्ता संघ शहडोल ने

क्रमशः 04 और 08 सितंबर 2025 को ज्ञापन सौंपकर मामले की गंभीरता को सामने रखा। कलेक्टर शहडोल ने 08 और 09 सितंबर को दो बैठकों में अधिवक्ताओं को यह भरोसा दिलाया कि तत्काल कार्रवाई की जाएगी, लेकिन कई दिन बीतने के बाद भी केवल आश्वासन ही अधिवक्ताओं के हिस्से आया। किसी भी स्तर पर वास्तविक कार्रवाई नहीं हुई, जिससे वकील वर्ग में तीखा असंतोष पनप गया है।

तहसीलदार पर गंभीर आरोप

संघ का आरोप है कि तहसीलदार गुर्जर ने खुलेआम अधिवक्ता का अपमान किया और राजस्व न्यायालय में दुव्र्यवहार किया। इसे वकीलों ने पेशे और गरिमा का सीधा अपमान बताया है। अधिवक्ताओं का कहना है कि जिस अधिकारी पर अनुशासन और निष्पक्षता की जिम्मेदारी है, वही अभद्रता का व्यवहार कर रहा है। इस पर भी जब प्रशासन चुप्पी साधे बैठा है, तो यह सवाल उठाता है कि आखिरकार अधिकारियों पर अंकुश लगाने में जिला प्रशासन क्यों नाकाम हो रहा है।

अधिवक्ता संघ का स्पष्ट अल्टीमेटम

संघ ने साफ कहा है कि जब तक तहसीलदार गुर्जर का स्थानांतरण किसी अन्य स्थान पर नहीं किया जाएगा, तब तक वे राजस्व न्यायालयों की कार्यवाही का पूर्ण बहिष्कार करेंगे। वकीलों ने दो टूक चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों को अनसुना किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। कलेक्टर और आयुक्त की कार्यप्रणाली को लेकर अधिवक्ता वर्ग ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन केवल दिखावटी मीटिंग कर जनता और अधिवक्ताओं को टालने का काम करता रहेगा, तो न्यायालयीन कार्य प्रणाली पूरी तरह ठप हो सकती है। यह स्थिति न केवल अधिवक्ता संघ के लिए बल्कि आम जनता के लिए भी परेशानी खड़ी करेगी। राजस्व अभिभाषक संघ और जिला अधिवक्ता संघ का यह संयुक्त रुख अब संभाग स्तर पर भी प्रभाव डाल सकता है। अधिवक्ता समुदाय ने एक स्वर में कहा है कि वे अपने सम्मान और गरिमा पर किसी भी तरह का समझौता नहीं करेंगे।

खबर संक्षेप

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर वीएस चंदेल ने बताया कि विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर आयोजित किया गया । उन्होने कहा कि जीवन की हर चुनौती का समाधान है, बस हमें एक-दूसरे का सहारा बनना होगा।आत्महत्या कभी समाधान नहीं है, बल्कि यह उन समस्याओं का बोझ और बढ़ा देती है जो पीछे रह गए अपने लोगों को झेलना पड़ता है। यदि आप अकेलापन, तनाव, या अवसाद महसूस कर रहे हैं, तो चुप न रहें दृ अपने परिवार, दोस्तों या विशेषज्ञ से बात करें और यदि आपके आस-पास कोई संघर्ष कर रहा है तो उसकी सुनें, समझें और उसे भरोसा दिलाएँ कि वह अकेला नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि याद रखिए दृ एक छोटी सी मुस्कान, एक सच्चा संवाद और थोड़ी-सी संवेदनशीलता किसी की ज़िंदगी बचा सकती है। साथ मिलकर हम आत्महत्या को रोक सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसके रोकथाम के लिए आप एक गेटकीपर के रूप में कार्य कर सकते हैं एवं गेट की पर का नामांकन जिला चिकित्सालय में संचालित मन कक्ष में नर्सिंग ऑफिसर बिना पटेल के पास गेटकीपर के रूप में अपना नामांकन दर्ज कर सकते हैं । जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ मुकुल तिवारी ने बताया कि जिले में संचालित स्कूलों में हाई स्कूल कक्षा 9वी से 12वीं तक उमंग कार्यक्रम के तहत जीवन कौशल आधारित सत्र का आयोजन किया जा रहा है जो कि भविष्य में छात्र-छात्राओं को एक सही दिशा देने के लिए सर्वोपरि होगा उक्त बैठक में डॉक्टर आर एल द्विवेदी श्रीमती अनुराधा पटेल कचीदव नर्सिंग अधिकारी पुष्पा पटेल एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने जिले को राज्य स्तर पर किया सम्मानित

उमरिया। राज्य स्तरीय कार्यशाला में किलकारी एवं मोबाइल अकादमी में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल, अपर मिशन संचालक मनोज कुमार सरियाम, वरिष्ठ संयुक्त संचालक राकेश बोहरे, रीजनल डायरेक्टर मोबाइल अकादमी की उपस्थिति में शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने पर उमरिया जिलें को सम्मानित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ व्ही एस चंदेल के दिशा निर्देशन में जिले की समस्त आशा कार्यकर्ताओ द्वारा मोबाइल अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर बेहतर कार्य किया जा रहा है।

भोपाल में उप मुख्यमंत्री ने प्रभारी जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर रोहित सिंह बघेल को सम्मान प्रदान किया गया । ज्ञात हो कि राज्य स्तर पर मध्य प्रदेश के मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दरों के आंकड़ों में सुधार हुआ है। उल्लेखनीय है कि मातृ मृत्यु दर में प्रति लाख 159 से घट कर 142 ,नवजात मृत्यु दर में प्रति 1000 में 29 से घट कर 27 वही शिशु मृत्यु दर में 40 से घट कर 37 एवं 5 वर्ष से कम उम्र के बाल मृत्यु में प्रति हजार 49 से घट कर 44 हुआ यह सुधार स्वास्थ्य एवं आशा कार्यकर्ताओं के कार्यों को सफल एवं सही दिशा की ओर अंकित करता है।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य उमरिया का विवादित आदेश

एसटी, एससी, ओबीसी कर्मचारियों को कलंकित करने का प्रयास

उमरिया। जिले में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य कार्यालय द्वारा जारी एक आदेश ने न केवल सरकारी महकमे बल्कि पूरे जिले में हलचल मचा दी है। आदेश की भाषा और उसमें इस्तेमाल किए गए शब्दों ने कर्मचारियों के सम्मान को ठेस पहुँचाई है और सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर एक जिम्मेदार अधिकारी इतना विवादित आदेश कैसे जारी कर सकता है।

जारी आदेश में साफ-साफ लिखा गया है कि विभाग अंतर्गत संचालित एसटी/एससी/ओबीसी वर्ग के कर्मचारी अक्सर कार्यालयीन समय में शराब, गांजा और अन्य नशा करके दफ्तर आते हैं और शाखा प्रभारियों से विवाद करते हैं। यही नहीं आदेश में यह भी कहा गया है कि इन कर्मचारियों की हरकतों से कार्यालयीन कार्य बाधित होता है और माहौल खराब होता है। इतना ही नहीं, आदेश में धमकी के लहजे में यह भी लिखा गया है कि 1 सितम्बर 2025 के बाद यदि कोई कर्मचारी नशे की हालत में पाया गया तो उसका परीक्षण जिला मेडिकल बोर्ड से कराकर वरिष्ठ कार्यालय को कार्रवाई हेतु भेजा जाएगा।

सवालों के घेरे में आदेश

यह आदेश कई बड़े सवाल खड़े करता है, अगर कर्मचारी वास्तव में नशा करके दफ्तर आ रहे थे तो, अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? क्या यह आदेश बिना किसी ठोस सबूत और जांच के केवल कर्मचारियों को बदनाम करने के लिए जारी किया गया?, क्यों आदेश में केवल एसटी/ एससी/ ओबीसी कर्मचारियों का नाम लेकर पूरे वर्ग को कटघरे में खड़ा किया गया? क्या यह आदेश प्रशासनिक गरिमा को बढ़ाने की बजाय जातिगत पूर्वाग्रह फैलाने का उदाहरण नहीं है।

कर्मचारियों का अपमान

आदेश की सबसे बड़ी खामी इसकी भाषा है। बिना किसी ठोस उदाहरण के सीधे-सीधे यह कहना कि एसटी/एससी/ओबीसी कर्मचारी नशा करते हैं, पूरे वर्ग की गरिमा को धूमिल करता है। यह आदेश न केवल व्यक्तिगत स्तर पर अपमानजनक है, बल्कि पूरे समाज को कलंकित करने का प्रयास भी प्रतीत होता है। एक जिम्मेदार अधिकारी से यह उम्मीद की जाती है कि वह समस्याओं का समाधान करे, न कि पूरे वर्ग को अपमानित करके माहौल को और खराब करे।

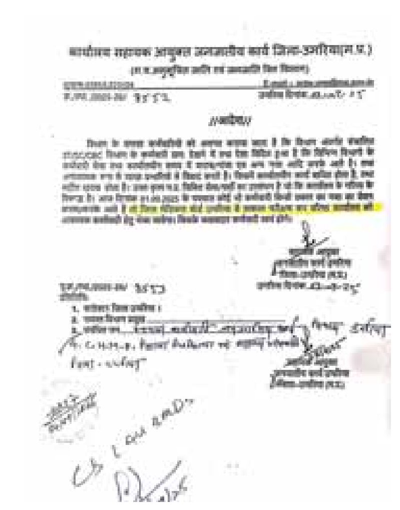

सोची-समझी चाल?

सामाजिक संगठनों और कर्मचारी संघों का मानना है कि यह आदेश किसी एक-दो घटनाओं पर आधारित हो सकता है, लेकिन पूरे एसटी/एससी/ओबीसी वर्ग को इस तरह से 'नशेड़ी' बताना बेहद शर्मनाक है। यह प्रशासनिक संवेदनहीनता का जीता-जागता उदाहरण है। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या यह आदेश कर्मचारियों को दबाव में लेने और जातिगत आधार पर नीचा दिखाने की सोची-समझी रणनीति है।

कर्मचारियों और समाज में आक्रोश

इस आदेश के बाद विभागीय कर्मचारियों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि यदि आदेश को वापस नहीं लिया गया और सहायक आयुक्त से स्पष्टीकरण नहीं मांगा गया, तो वे आंदोलन की राह अपनाने के लिए बाध्य होंगे। वहीं सामाजिक संगठन भी इसे एक जातिगत भेदभाव का मामला मान रहे हैं और कह रहे हैं कि यदि प्रशासन चुप बैठा तो यह अन्य वर्गों के खिलाफ भी ऐसे ही अपमानजनक आदेश जारी करने की मिसाल बन जाएगी।

कलेक्टर और शासन की चुप्पी

आदेश की प्रति कलेक्टर उमरिया और समस्त विभाग प्रमुखों को भेजी गई है। बावजूद इसके अब तक किसी उच्चाधिकारी की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यह चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। क्या जिला प्रशासन इस अपमानजनक आदेश का समर्थन कर रहा है? क्या शासन स्तर पर ऐसे मामलों पर कोई स्पष्ट गाइडलाइन नहीं है कि आदेश जारी करने से पहले भाषा और साक्ष्यों का ध्यान रखा जाए?

कर्मचारियों का आक्रोश पड़ सकता है भारी

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य उमरिया का यह आदेश न केवल विभागीय कर्मचारियों की गरिमा को ठेस पहुंचाता है, बल्कि प्रशासनिक तंत्र पर भी गंभीर सवाल खड़ा करता है। यदि वास्तव में कोई कर्मचारी नशे में कार्यालय आता है तो उसके खिलाफ व्यक्तिगत स्तर पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होनी चाहिए थी, न कि पूरे वर्ग को निशाने पर लिया जाता। इस आदेश ने साबित कर दिया है कि विभागीय अधिकारी किस तरह से अपनी मनमानी और असंवेदनशीलता का परिचय दे रहे हैं। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन और राज्य शासन इस विवादित आदेश पर क्या रुख अपनाता है। फिलहाल इतना तय है कि यह मामला अब शांत होने वाला नहीं है और कर्मचारियों का आक्रोश प्रशासन को भारी पड़ सकता है।

दो साल से उमरिया में औषधि निरीक्षक गायब

सतना से ही चला रही पूरा कामकाज

उमरिया। जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की हालत किस कदर बदहाल है, इसका ताजा उदाहरण औषधि विभाग की कार्यप्रणाली है। जिले में पदस्थ औषधि निरीक्षक पिछले दो साल से एक भी दिन उमरिया नहीं पहुंचीं, बावजूद इसके पूरा कार्यभार संभाल रही हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि वह सतना जिले में बैठकर उमरिया का निरीक्षण करती हैं और मेडिकल स्टोर्स की जांच भी वहीं से करने का दावा किया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आखिरकार इस लापरवाही पर पत्र जारी कर जवाब तलब किया है, लेकिन यह सवाल अब भी बरकरार है कि शासन और प्रशासन की आंखों के सामने यह मनमानी इतने लंबे समय से कैसे चल रही है।

गुपचुप जांच और नोटिस

इस बीच 21 अगस्त को ड्रग कंट्रोलर की टीम ने अचानक उमरिया के कई मेडिकल स्टोर्स पर गुपचुप जांच की। इस कार्रवाई में कई दुकानों की खामियां उजागर हुईं और संचालकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया। सूत्रों का कहना है कि जिले में मेडिकल व्यवसाय पर पूरी तरह मनमानी हावी है, बस रेट तय होना चाहिए और फिर चाहे नियमों का उल्लंघन हो या जनता की जान से खिलवाड़, सब चलता है।

लाइसेंसधारी नहीं अनभिज्ञ लोग दे रहे दवा

जिले भर में बड़ी संख्या में मेडिकल दुकानों पर फर्मासिस्ट की जगह अनभिज्ञ लोग दवा बेचते पाए जा रहे हैं। यही कारण है कि दवा लेने आए मरीजों की बीमारी ठीक होना तो दूर, कई बार उनकी जान तक चली जाती है। जब इस पूरे प्रकरण पर औषधि निरीक्षक से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई तो उन्होंने कॉल रिसीव तक नहीं किया। इससे साफ है कि जिम्मेदारी निभाने के बजाय वे जवाबदेही से बच रही हैं।

श्री नर्मदे हर सेवा न्यास में किया गया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर व कार्यपालक निदेशक जन अभियान परिषद डॉ बकुल लाड़ दो दिवसीय अमरकंटक प्रवास के दौरान न्यास द्वारा जिले के जनजातीय ग्रामो में भृमण कर औषधीय पौधों के संरक्षण हेतु किये जा रहे प्रयासों का अवलोकन किया साथ ही न्यास परिसर में पर्यावरण संरक्षण हेतु जा रही एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत म आम ,आँवले के पौधे का रोपण किया इस दौरान उनके साथ श्री नर्मदे हर सेवा न्यास के अध्यक्ष कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक भीम सिंह, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष मोहन नागर द्वारा माँ नर्मदा के दर्शन कर प्रदेश व देशवासियों के लिए सुख समृद्धि की कामना की।

नहीं थम रहे राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 में सड़क हादसे

समाजसेवी एवं ट्रैफिक मित्र शिवांश सिंह ने घायल को अपने वाहन से पहुंचाया अस्पताल

हरिभूमि न्यूज कोतमा। सोमवार की रात नए सड़क दुर्घटना में दो पहिया वाहन चालक को गंभीर चोट आने के बाद प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफर किया गया है। घटना के बारे में बताया जाता है कि एक निजी पंप में काम करने वाले कर्मचारी छकौड़ी लाल केव। कोतमा पुलिस ने रविवार की रात लाखों रुपए कीमत की शराब के साथ लग्जरी सफारी कार बरामद किए जाने के मामले में एक टीम इंदौर भेजे जाने की तैयारी में जुटी है। पुलिस की टीम क्षेत्र में बड़े पैमाने पर खपाने आई अवैध शराब से संबंधित जानकारियां जुटाते हुए आरोपियों की तलाश में शहडोल एवं अनूपपुर जिले के विभिन्न स्थानों पर दबिश दे रही है। थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ला ने बताया कि 28 पेटी शराब कीमती 1 लाख 75 हजार एवं जप्त लग्जरी कार में इंदौर का नंबर है जिस पर पुलिस की एक टीम को वाहन मालिक की तलाश के संबंध में रवाना किया जाएगा वहीं शराब से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां मिली है। जल्द ही शराब तस्कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिए जाएंगे। मालूम रहे की बुढार की ओर से शराब लदी सफारी में माफियाओं द्वारा फिल्मी स्टाइल में पुलिस को कट मारते हुए वाहन को तेज रफ्तार से भगाते हुए 15 किलोमीटर तक छकाते हुए पकड़े जाने के डर से लहसुई गांव के पास कच्चे रास्ते में कार छोड़कर शातिर आरोपी रात के अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए थे। पुलिस की अलग अलग टीम ने पीछा करते हुए शराब की बड़ी खेप को बरामद किया था। 289 लीटर अंग्रेजी शराब जप्त की गई थी। कार्यवाही को लेकर शराब माफिया में हड़कंप देखा जा रहा है। 45 वर्ष जो की कोतमा से वापस अपने घर बदरा जा रहा था तभी रात्रि 11 बजे के लगभग बनिया टोला के समीप बीच सड़क में अचानक आवारा मवेशी आ जाने के कारण अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो गया। घायल के हाथ और कंधे में गंभीर चोट आई जिसकी सूचना समाजसेवी एवं ट्रैफिक मित्र शिवांश सिंह को लगने पर रात में ही 10 किलोमीटर का सफर तय कर घटनास्थल पहुंच घायल को अपने वाहन में कोतमा अस्पताल में भर्ती कराते हुए प्राथमिक उपचार कराया गया। डॉक्टर के द्वारा रेफर करते हुए घटना की जानकारी थाना कोतमा में दी गई। पुलिस के द्वारा दुर्घटना के संबंध में जांच की जा रही है। विदित रहे की शिवांश सिंह के द्वारा आए दिन सड़क हादसे में घायल लोगों को घटनास्थल से उपचार केंद्र तक ले जाने का कार्य निःस्वार्थ भाव से किया जा रहा है।

स्वच्छता उत्सव मनाने संबंधी दिशा निर्देश जारी

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि स्वच्छता उत्सव मनाये जाने संबंधी दिशा निर्देश जारी किये गये है जिसमें 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छोत्सव मनाया जाना है। कार्यक्रम को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराये जाने हेतु ग्रामीण क्षेत्रों के लिये संपूर्ण कार्यक्रम का नोडल अधिकारी अभय सिंह मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उमरिया को एवं शहरी क्षेत्रों के लिये कमलेश राम नीरज परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण उमरिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। नोडल अधिकारी प्रत्येक दिवस के कार्यक्रमों की कार्ययोजना तैयार कर समक्ष में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।अभियान के दौरान मुख्य रूप से स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों (सीटीयूएस) का रूपांतरण, जिसमें कठिन और गंदे स्थानों की पहचान की जाएगी, उनका मानचित्रण किया जाएगा और समयबद्ध तरीके से उन्हें साफ किया जाएगा। स्वच्छ सार्वजनिक स्थान, प्रतिष्ठानों, संस्थानों और अधिक आवाजाही वाले स्थानों की सामान्य सफाई। सफाई मित्र, सुरक्षा शिविर निवारक, स्वास्थ्य जांच और कल्याणकारी योजनाओं से जोडने के लिए एकल खिडकी शिविर,टीवी क्लीन ग्रीन उत्सव,पर्यावरण अनुकूल और शून्य अपशिष्ट उत्सव,दिनांक 25 सितंबर 2025 को एक साथ राष्ट्रव्यापी श्रमदान, श्एक दिन, एक घंटा, एक साथश प्रस्तावित है, जिसमें नागरिकों से राष्ट्र की स्वच्छता के लिए हाथ मिलाने का आह्वान किया गया है।

एसएचएस-2025 के दौरान सभी गतिविधियों को एसएचएस 2025 के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए आईटी पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा ।राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/जिलों/स्थानीय निकायों से प्रमुख अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, स्थानीय निकायों/क्षेत्रीय विभागों/कार्यालयों को सक्रिय करें। बेहतर नागरिक सहभागिता के लिए राजनीतिक नेतृत्व, मशहूर हस्तियों, ब्रांड एंबेसडर, प्रभावशाली लोगों, आध्यात्मिक, जनप्रतिनिधियों आदि को शामिल किया जाना चाहिए। दिनांक 17 सितंबर 2025 को राज्य स्तरीय रोल आउट कार्यक्रम आयोजित करें। निजी क्षेत्र के संगठनों, गैर सरकारी संगठनों/सीएसओ और अन्य संबंधित हितधारकों आदि के साथ साझेदारी को बढ़ावा देना स्वच्छ हरियाली के लिए स्थानीय समितियों/संघों के साथ जुड़ें। एसएचएस-2025 के दौरान गतिविधियों की दैनिक रिपोर्टिंग एसएचएस-2025 के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए आईटी पोर्टल पर दैनिक आधार पर अपलोड की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। जिला परियोजना समन्वयक जिला प्रौढ़ षिक्षा अधिकारी ने बताया कि राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार जिले की शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं द्वारा अंतराष्ट्रीय साक्षरता सप्ताह अंतर्गत जिले में विविध गतिविधियों के आयोजन उपरान्त भारत सरकार के निर्देशानुसार वर्तमान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुसार प्रदेश को शत प्रतिशत साक्षर करने हेतु उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत सभी के लिए शिक्षा जन-जन साक्षर की भावना से अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम शा. उच्च. मा. वि. कालरी उमरिया के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जन जागरूकता हेतु वाद्ययंत्रों के साथ अक्षर साथी, संकुल सह समन्वयक, एवं जनशिक्षकों द्वारा क्रमशः सरस्वती वंदना, अतिथि स्वागत, प्रेरणादाई साक्षरता गीत, साक्षरता शपथ, अक्षर साथियों के अनुभव, नव साक्षरों द्वारा उनके जीवन में आए परिवर्तनों की बात मंच से उपस्थित जनों को साझा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित मॉडल कालेज के प्राचार्य डॉ. अभय पाण्डेय द्वारा उपस्थित समस्त जनों को साक्षरता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में विनोद कुमार मनवारे प्राचार्य डाईट, डा. ब्रजेश शर्मा व्याख्याता डाईड, श्री विनोद मिक्षा सहायक संचालक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, (समस्त) जिला प्रोग्रामर, लेखापाल , विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी जे.आर. मिथलेश, संकुल प्राचार्य, व्याख्याता, शिक्षक अक्षर साक्षी, नव साक्षर, बीएसी, सीएसी संकुल/ब्लक, सह-समन्वयक (समस्त) एवं अन्य जन भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया। समस्त अतिथियों द्वारा साक्षरता के महत्व, उद्देश्य व लक्ष्यों को केन्द्रित कर अपने विचार व उद्बोधन दिए।

साक्षरता में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अक्षर साथियों, सह समन्वयकों, जनशिक्षकों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मान किया गया। उपस्थित सभी जनों ने जिले के साक्षरता कार्य में सहयोग करने का संकल्प लेकर उल्लास नव-भारत साक्षरता कार्यक्रम को, कक्षा संचालन, ईच वन टीच वन का संकल्प लेकर जिले में निरक्षरता उन्मूलन में अपना पूर्ण सहयोग देने हेतु आश्वस्त किया व सहभागिता का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम में सभी का सहयोग / उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का संचालन एस. के. गौतम जिला सह समन्वयक साक्षरता जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण उमरिया द्वारा किया गया।

मण्डला से बीटीआर उमरिया लाया गया जंगली हाथी

सेटेलाईट रेडियो कॉलर लगाकर खुले वन क्षेत्र में स्वच्छंद विचरण हेतु छोड़ा गया

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया ने बताया कि बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जंगली हाथियों के संरक्षण एवं प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 9 सितम्बर 2025 को कान्हा टाइगर रिजर्व, मण्डला से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, उमरिया में एक जंगली हाथी को लाकर सेटेलाईट रेडियो कॉलर लगाकर खुले वनक्षेत्र में स्वच्छंद विचरण हेतु छोड़ा गया। उल्लेखनीय है कि 25 फरवरी 2024 में जंगली हाथी द्वारा अनूपपुर जिले में मानव-हाथी द्वंद की गंभीर घटना घटित हुई थी। मानव जीवन की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी), भोपाल के आदेश के तहत बाँधवगढ़ एवं संजय टाइगर रिजर्व की संयुक्त रेस्क्यू टीम द्वारा हाथी को पकड़ा गया और इसके बाद इसे व्यवहार आकलन हेतु कान्हा टाइगर रिजर्व में कैप्टिविटी में रखा गया।जंगली हाथी के व्यवहार एवं स्वास्थ्य का विस्तृत आकलन करने हेतु एक समिति का गठन किया गया,तत्पश्चात एलीफैंट एडवाइजरी कमेटी की आयोजित बैठक में पाया गया कि हाथी पूर्णतः स्वस्थ है तथा खुले वन क्षेत्र में छोड़े जाने योग्य है। समिति ने निर्णय लिया कि इसे रेडियो कॉलर लगाकर बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खुले वन क्षेत्र में, जंगली हाथियों के झुंड के समीप छोड़ा जाए। निर्णय के परिपालन में प्रधान वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एवं मुख्य वन अभिरक्षक, मध्यप्रदेश द्वारा अनुमति प्रदान की गई। आदेशानुसार कान्हा एवं बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व की संयुक्त टीम ने सफलतापूर्वक जंगली हाथी का परिवहन कर कान्हा से लाकर बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मुक्त कर दिया गया है। हाथी को पूर्व में ही दिनांक 4 सितंबर को कान्हा में ही रेडियो कॉलर कर दिया गया था।इस पहल से न केवल जंगली हाथियों के संरक्षण एवं वैज्ञानिक प्रबंधन को बल मिलेगा, बल्कि रेडियो कॉलरिंग के माध्यम से उनकी गतिविधियों की निगरानी भी सुनिश्चित की जा सकेगी। इससे भविष्य में मानव-हाथी द्वंद की स्थितियों को रोकने में भी मदद मिलेगी।कार्यवाही से अब बांधवगढ़ में रेडियो कॉलर युक्त हाथियों की संख्या 3 हो गई है।

खबर संक्षेप

प्रतिदिन 35 किलोमीटर चलते हैं साइकिल, पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं कल्याण सिंह

ब्यौहारी। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत छतैनी के कल्याण सिंह पिता श्याम बहादुर सिंह प्रतिदिन 17 किलोमीटर साइकिल चलाकर काम करने ब्यौहारी- आते हैं वह यहां मार्तंड गंज में स्थित विनय फोटोकॉपी में काम करते हैं और शाम को 7:00 बजे घर जाते हैं इसका मतलब है कि आते जाते प्रतिदिन 35 किलोमीटर साइकिल चलाते हैं जाते समय रात में अंधेरा हो जाता है इसलिए उन्होंने साइकिल में रोशनी की व्यवस्था बना रखी है और टॉर्च लगी हुई जिससे उनको आने जाने में कोई परेशानी नहीं होती कल्याण सिंह ने बताया कि साइकिल चलाने से उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है और उन्हें कोई बीमारी नहीं है साइकिल चलाना उन्हें अच्छा लगता है उनका कहना यह है कि यदि सब लोग दैनिक कार्यों के लिए साइकिल का उपयोग करने लगे थे उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और पैसे की भी बचत होगी इसलिए सबको प्रतिदिन 1 घंटे साइकिल चलाना चाहिए।

फेरी लगाकर कपड़े बेचने वालों से रहे सावधान

कटनी। शहर मे पिछले कई दिनों से गली मोहल्लों में लेडीज सूट गर्म कम्बल, चादर और अन्य कपड़े बेचने वालों का गैंग आया हुआ है ये बीदर और गुलबर्गा के मुसलमान जेहादी लोग हैं, जो लेडीज सूट और चादर बेचने का नाटक कर रहे हैं, ये सभी गैंगस्टर हैं पुलिस ने शहर वासियों से अपील की है कि ऐसे कोई संदिग्ध मिले तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। बताया गया हैं कि ये लोग गिरोह के सदस्य दिन में गर्म कंबल या अन्य कपड़ा विक्रेता बनकर मोहल्ला , कॉलोनी आदि में सस्ता सामान बेचने के नाम पर घरों की रेकी करते हैं और फिर मौका तलाश कर घरों में घुसकर लूट लेते हैं, इसलिए सावधान रहें और यह मैसेज अपने सभी को शेयर अवश्य करें।

निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों का प्रशिक्षण 16 से

कटनी। निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों का चार दिवसीय जिला एवं जनपद स्तरीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (**TOT**) 16 सितंबर से 19 सितंबर 2025 तक महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान मध्यप्रदेश आधारताल जबलपुर में आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले की प्रत्येक जनपद पंचायत से एक महिला मास्टर ट्रेनर्स का चयन निर्धारित मापदंडों का पालन करते हुए प्रतिभागियों का चयन करने के निर्देश जिला पंचायत के सीईओ शिशिर गेमावत ने समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए हैं। जारी पत्र के मुताबिक नामांकित प्रतिभागियों को न्यूनतम 3 से 5 वर्ष का प्रशिक्षण का अनुभव, पंचायतीराज तंत्र की सम्यक समझ, 73 वें संविधान संशोधन के प्रावधानों में लैंगिक संवेदनशीलता एवं समानता के प्रति प्रतिबद्धता, अनुभावत्मक शिक्षण विधियों का सक्रिय प्रयोग, ऊर्जा एवं नवोन्मेषी नेतृत्व क्षमताएं आदि होनी चाहिए। जिला पंचायत के सीईओ श्री गेमावत ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों के प्रशिक्षण हेतु संस्थान में आयोजित जिला एवं जनपद स्तरीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण 16 सितंबर से 19 सितंबर 2025 की अवधि हेतु प्रतिभागियों को निर्धारित मापदंडों के अनुसार नामांकित कर सूची उपलब्ध कराए।

दो दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण 22-23 को

कटनी। जिले की समस्त जनपद पंचायतों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों का दो दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण (रिफ्रेशर ट्रेनिंग) 22 एवं 23 सितंबर 2025 को महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान (मध्यप्रदेश) आधारताल जबलपुर में दस से पांच बजे तक आयोजित किया गया है। इस संबंध में जिला पंचायत के सीईओ शिशिर गेमावत ने समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को पत्र लिखकर जनपद पंचायतों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों की उपस्थिति उन्मुखीकरण प्रशिक्षण में सुनिश्चित कराने हेतु निर्देशित किया है।

ब्लाक स्तरीय ओरिएंटेशन कार्यशाला की गई आयोजित की गई

सेवा और समर्पण भाव से करें कार्य: एसडीएम

शहडोल।

भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार आदि कर्मयोगी अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जनपद पंचायत जयसिंहनगर के सभागार में ब्लाक स्तरीय ओरिएंटेशन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री काजोल सिंह ने भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यशाला को सम्बोंधित करते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जयसिंहनगर सुश्री काजोल सिंह ने कहा कि सभी आदि कर्मयोगी सेवा और समर्पण भाव से कार्य करें और समस्याओं का तत्परता पूर्वक निराकरण करें। जनजातीय समुदाय के लोगो के प्रति संवेदनशील रहते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय के लोगों की दिनचर्या, उनकी संस्कृति एवं भावनाओं के अनुरूप ढलते हुए उनकी समस्याओं को जाने और शासन की योजनाओं से लाभांवित कराएं।

उन्होंने कहा ट्रेनिंग लेते हुए सभी योजनाओं एवं मूलभूत बातों को ठीक तरह से समझे। जनजातीय वर्ग के उत्थान के लिए समाज के जागरूक लोगों का चयन कर उन्हें मुख्य धारा से जोड़ा जाए। ग्रामों में योजना से वंचित लोगों तक लाभ पहुँचाने के प्रयास होगें।

इस अवसर पर एपीओ एवं नोडल अधिकारी अनुराग निगम, मास्टर ट्रेनर डीसी मिश्रा, सहित स्कूल शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास एनआरएलएम सहित अन्य विभागो के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

पितरों के मोक्ष हेतु कमलाकांत तिवारी सपत्नीक का गया श्राद्ध हेतु प्रस्थान

शहडोल।

सनातन धर्म की पावन परंपराओं के अनुरूप आश्विन कृष्ण पक्ष (पितृपक्ष) के अवसर पर हिंदू धर्मावलंबी अपने पितरों की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए गया श्राद्ध करने की परंपरा निभाते हैं। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले की पट्टी तहसील अंतर्गत ढाढर गांव से कमलाकांत तिवारी सपत्नीक श्रीमती पुष्पा देवी धूमधाम से गया श्राद्ध हेतु प्रस्थान किए। श्री तिवारी दंपत्ति का प्रस्थान बड़े ही धार्मिक उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुआ। गांव में विदाई का यह पल किसी मांगलिक अवसर से कम नहीं रहा। बाजे-गाजे, मंगल गीत और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की ध्वनि के बीच परिवारजन, सगे-संबंधी और इष्टमित्रों ने तिवारी जी को शुभकामनाओं के साथ विदा किया। श्राद्ध यात्रा के क्रम में श्री तिवारी पहले प्रयागराज, अयोध्या, विंध्याचल, चित्रकूट और शिव नगरी काशी में पिंडदान व धार्मिक अनुष्ठान करेंगे। इसके पश्चात वे गया में विधिवत श्राद्धकर्म सम्पन्न कर अपने पितरों की आत्मा की मुक्ति की प्रार्थना करेंगे। यात्रा का समापन जगन्नाथ पुरी में विशेष पिंडदान और पूजा-अर्चना के साथ होगा।

इस अवसर पर गांव के सम्माननीय जनों, तिवारी परिवार के परिजनों, सगे-संबंधियों और मित्रजनों ने मिलकर इस धार्मिक यात्रा को शुभकामनाएं दीं। विदाई का यह अवसर गांव में आस्था, भावनाओं और संस्कारों का अद्भुत संगम बन गया।

स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान

महिला स्वास्थ्य शिविरों का किया जाएगा आयोजन

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान जिले मे 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक मनाया जायेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण को बढावा देना है। महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण को मजबूत करके परिवार एवं समुदाय को सशक्त बनाया जायेगा तथा सभी सक्रिय सहयोग से इसे जन आंदोलन का स्वरूप दिया जायेगा। उन्होंने बताया की सभी आयुष्मान आरोग्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ केन्द्रों, जिला अस्पताल तथा मेडिकल कॉलेज में महिला स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जायेगा। जिसमें महिलाओं की स्वास्थ्य जॉच, मुख, स्तन, गर्भाशय ग्रीवा, कैंसर की स्क्रीनिंग, एनीमिया जॉच किशोरियों व महिलाओं को परामर्श, क्षय रोग की जॉच, सिकल सेल रोगी की जॉच, कार्ड वितरण तथा परामर्श के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं दी जायेंगी। अभियान में स्त्री रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, मनोचिकित्सक तथा दन्त चिकित्सक आदि सेवाएं देंगे। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु निजी अस्पतालों एवं क्लीनिकों का भी सहयोग लिया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल के लिए गर्भवती महिलाओं की जॉच, परामर्श तथा मातृ एवं शिशु सुरक्षा कार्ड वितरण तथा टीकाकरण की सेवायें प्रदान की जायेंगी। इसी प्रकार जन-जागरूता कर व्यवहार परिवर्तन कर महिलाओं का जागरूक किया जायेगा। इसी प्रकार निक्षय मित्र नामांकन अभियान चलाकर जिले को टी.बी. मुक्त बनाया जायेगा। इस दौरान रक्तदान शिविरों का आयोजन रेडक्रॉस सोसायटी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 1 अक्टूबर को राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के रूप मे मनाया जायेगा एवं 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक राष्ट्रीय स्वैच्छिक अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान को स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा, उच्च शिक्षा, पंचायती राज तथा ग्रामीण विकास एवं नगरीय निकायों से समन्वय कर संचालित किया जायेगा। जन संचार माध्यमों तथा सोशल मीडिया और सामुदायिक स्तर की गतिविधियाँ आयोजित कर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

धनपुरी में पार्क निर्माण के लिए हुआ भूमि पूजन

धनपुरी।

नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 9 में आधुनिक सुविधाओं से युक्त पार्क निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। भूमि पूजन में भाजपा के वरिष्ठ नेता पंडित सुरेश चतुर्वेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस पार्क में योगाभ्यास हेतु स्थल, बैडमिंटन ग्राउंड, ओपन जिम, चिल्ड्रन पार्क, वेलकम गेट, म्यूजिकल फाउंटेन, गाजेबो सहित कई प्रकार के निर्माण किए जाएंगे। पार्क तैयार होने से क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य व मनोरंजन से जुड़ी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 9 की पार्षद श्रीमती संगीता सिंह, नेता प्रतिपक्ष शोभाराम पटेल, जीवेश मिश्रा, अरविंद सिंह, सुशील सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

136 श्रमिक परिवारों के खातों में 2.88 करोड़ की राशि की अंतरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को संबल योजना के अंतर्गत कटनी जिले के 136 श्रमिक परिवारों के बैंक खाते मे 2 करोड़ 88 लाख रूपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम अंतरित किया। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित एन आई सी के वीडियो कांफ्रेंसिंग कक्ष में मौजूद रहकर अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्र के साथ लाभार्थी हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री डॉ यादव के संबोधन के सीधे प्रसारण को वर्चुअली देखा और सुना।

जयसिंहनगर में 'डेरा डालो-घेरा डालो आंदोलन' तेज

किसानों-आदिवासियों ने सरकार को घेरा

शहडोल।

जिले के जयसिंहनगर में किसानों और आदिवासियों का गुस्सा उबाल पर है। म.प्र. किसान सभा और म.प्र. आदिवासी महासभा के नेतृत्व में 9 और 10 सितम्बर को वनपरिक्षेत्र कार्यालय के समक्ष 'डेरा डालो-घेरा डालो आंदोलन' किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम पर मांगपत्र (ज्ञापन) सौंपते हुए सरकार की नीतियों और प्रशासनिक रवैये पर सीधा हमला बोला।

आंदोलनकारियों ने कहा कि वन अधिकार कानून और भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 को जानबूझकर लागू नहीं किया जा रहा है। वहीं, नेशनल पार्क और औद्योगिक विकास के नाम पर जबरिया भूमि अधिग्रहण कर आदिवासियों को उजाड़ने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अब भी शासन ने बेदखली पर रोक नहीं लगाई और किसानों-आदिवासियों की जमीन सुरक्षित नहीं की तो आंदोलन और उग्र रूप लेगा।

प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि पांचवीं और छठवीं अनुसूची क्षेत्रों में पेसा कानून का पालन होना चाहिए। भूमि और वन अधिकार की लड़ाई लडने वाले साथियों पर दर्ज झूठे प्रकरणों को तत्काल वापस लिया जाए। साथ ही, नक्शलवाद के नाम पर निर्दोष आदिवासियों के दमन पर रोक लगाने की मांग उठी। मांगपत्र में यह भी कहा गया कि हाल ही की भारी बरसात में किसानों की खड़ी फसलें उजाड़ने वाले वन विभाग के अफसरों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हों। खेतों को जेसीबी और बुल्डोजर से रौंदना और खड़ी फसलों को चरवा देना किसानों की आजीविका पर सीधा हमला है। प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की भी मांग की गई।

इसके अलावा अतिवृष्टि से नष्ट हुई मक्का, सोयाबीन, तिल, धान, उड़द, कोदो-कुटकी जैसी फसलों के लिए राहत पैकेज घोषित करने और सोसायटी के माध्यम से तत्काल यूरिया खाद उपलब्ध कराने की मांग भी प्रमुख रही। आंदोलनकारियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन किसानों और आदिवासियों के दर्द को अनसुना कर रहा है और वन विभाग खुलेआम दमन की नीति पर चल रहा है। ज्ञापन सौंपने वालों में धर्मदीन सिद्ध सचिव, म.प्र. किसान सभा) और बब्बू म.प्र. आदिवासी एकता महासभा प्रमुख रहे। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, सरकार को गांव-गांव में और मजबूत प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा।

प्रशिक्षण के बाद जैविक खाद और दवाईयां तैयार करने के बाद शुरू की खेती

जैविक सब्जी उत्पादन से आर्थिक स्थिति हुई मजबूत, औरों के लिए बनी प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

ढीमरखेड़ा ब्लॉक के बांध गाँव की महिला किसान, आशा बाई का पाँच सदस्यों का परिवार खेती और मजदूरी पर निर्भर था। उनके पास तीन एकड़ ज़मीन थी, जिस पर वे पहले रासायनिक खेती करती थीं। इस खेती में लागत बहुत ज़्यादा आती थी, और उत्पादन का सही दाम नहीं मिल पाता था, जिस कारण उनकी आर्थिक स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हो रहा था।

बदलाव की शुरुआत

आशा बाई की ज़िंदगी में असली मोड़ तब आया जब उनकी मुलाक़ात मानव जीवन विकास समिति की कार्यकर्ता अदिति वैष्णव से हुई। अदिति ने उन्हें जैविक खेती, जैविक खाद और दवाइयाँ बनाने के बारे में जानकारी दी और प्रशिक्षण में शामिल करवाया। समिति ने उन्हें सब्जी उगाने में मदद भी दी।

मानव जीवन विकास समिति ने आशा बाई को आधा एकड़ ज़मीन के लिए 150 बैंगन, 150 टमाटर, और 150 मिर्च के पौधे दिए। साथ ही, जैविक खाद बनाने के लिए वर्मी बेड और जरूरी चीजें भी उपलब्ध करवाईं। समिति ने उन्हें जैविक खाद और दवाइयाँ तैयार करने की विधि के साथ-साथ सब्जी लगाने का तरीका भी सिखाया।

सफलता की ओर कदम

आशा बाई ने पूरी लगन से काम किया और जैविक तकनीक का इस्तेमाल करके बैंगन और टमाटर की फसल तैयार की। उन्होंने अपनी फसलों में किसी भी तरह के रासायनिक कीटनाशकों या खादों का उपयोग नहीं किया, जिससे उनकी सब्ज़ियाँ सेहतमंद और स्वादिष्ट पैदा हुईं। जब फसल तैयार हुई, तो आशा बाई ने अपने गाँव और आस-पास के बाज़ारों में अपनी सब्ज़ियाँ बेचीं। उन्हें इस काम में अच्छा मुनाफा मिला, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया। उन्होंने कुल 35 हजार रुपये की सब्ज़ियाँ बेचीं, जिसमें से 10 हजार रुपये की लागत काटकर उन्हें 25 हजार का शुद्ध मुनाफा हुआ।

आशा बाई अपनी इस कामयाबी के लिए मानव जीवन विकास समिति के सचिव एवं पर्यावरणविद् निर्भय सिंह को धन्यवाद देती हैं। आशा बाई और उनका परिवार इस बदलाव से बहुत खुश है। उनकी सास भी गाँव में घूम-घूमकर सब्ज़ियाँ बेचती हैं। आशा बाई की सफलता को देखकर गाँव की दूसरी महिलाएँ भी प्रेरित हुईं। उन्होंने भी अब सब्जी बेचना और जैविक खाद व दवाइयाँ बनाना शुरू कर दिया है।

बरगवां ब्रिज से कटाएघाट मोड़ तक सीवरेज प्रोजेक्ट का काम फिर शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

अमृत 1.0 मिशन के तहत कटनी में सीवरेज लाइन बिछाने का काम फिर से शुरू हो गया है। बरगवां ब्रिज से कटाएघाट मोड़ तक चल रहे इस प्रोजेक्ट को वर्षाकाल में जलभराव की संभावना के चलते पहले रोक दिया गया था। हालांकि, संबंधित एजेंसी और ठेकेदार द्वारा काम को समय सीमा में पूरा करने का आश्वासन दिए जाने के बाद, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी ने काम फिर से शुरू करने का आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश के द्वारा सड़क पर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने और नागरिकों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अंतर्गत बरगवां रोड निर्माण एवं सीवर लाईन कार्य के दौरान कार्यस्थल के दोनों ओर नगर निगम के स्थाई कर्मचारी (रेडियम जैकेट पहनकर) मौजूद रहेंगे। साथ ही, ₹कार्य प्रगति पर है₹ और ₹डायवर्सन मार्ग₹ जैसे बैनर और पोस्टर लगाए जाएंगे। सड़क पर लगे हाथ ठेलों और दुकानों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया जाएगा ताकि काम के दौरान यातायात बाधित न हो।

काम के दौरान दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक मिलने वाली नो-एंट्री में छूट पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। इस मार्ग पर किसी भी प्रकार के भारी वाहन का प्रवेश वर्जित होगा। जबलपुर से आने-जाने वाली बसें अब बायपास से होकर गुजरेंगी। ये बसें पीरबाबा बायपास से इंदिरा नगर बायपास होते हुए बस स्टैंड तक आ-जा सकेंगी। काम के लिए इस्तेमाल होने वाले वाहन (जैसे ट्रैक्टर, डंपर) ही इस मार्ग पर आ-जा सकेंगे। अनुविभागी अधिकारी ने कार्य शीघ्र पूर्ण करने निर्देश दिए हैं।

खबर संक्षेप

45 दिवसीय टेराकोटा प्रशिक्षण की हुई शुरुआत

अनूपपुर। म.प्र. माटीकला बोर्ड, भोपाल के द्वारा अनुपपुर जिले में 45 दिवसीय टेराकोटा प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार 10 सितम्बर 2025 को शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, अनुपपूर मे शुरुआत हुई। प्रशिक्षण मे जिले के चयनित प्रतिभागी सहभागिता कर रहे हैं।इस अवसर पर पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य, आजीविका मिशन के डीपीएम, क्रिप्स संस्था के उप प्रबंधक तथा खादी ग्रामोद्योग विभाग के प्रभारी जिला प्रबंधक सहित प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मिट्टी से निर्मित हस्तकला के संबंध में प्रशिक्षणार्थियों को प्रायोगिक जानकारी प्रदान की गई।

सिगरेट का धुआं आंखों में फूंककर युवक मोबाइल लेकर फरार

नूपपुर। बुधवार सुबह करीब 11:00 बजे राज मोबाइल दुकान में उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवक ने महिला को सिगरेट का धुआं आंखों में फूंककर मोबाइल फोन लेकर फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, दुकान संचालक राजकुमार राठौर अपनी पत्नी को दुकान में बैठाकर अपने गांव गए हुए थे। उसी दौरान एक युवक दुकान पर पहुंचा और महिला को सिगरेट का धुआं आंखों में मारते हुए काउंटर पर रखा मोबाइल उठाकर भाग गया। महिला ने तत्काल फोन कर अपने पति को घटना से अवगत कराया। इसके बाद राजकुमार राठौर मौके पर पहुंचे और लोगों की मदद से आरोपी की तलाश की। चेहरे की पहचान के आधार पर युवक की शिनाख्त अनिल सिंह के रूप में हुई। जब राजकुमार उसके घर पहुंचे और मोबाइल लौटाने या कीमत चुकाने की बात कही, तो अनिल सिंह ने न केवल मोबाइल लौटाने से इनकार किया बल्कि गाली-गलौज करते हुए चाकू दिखाकर धमकी देने लगा। जिसकी सूचना राजकुमार राठौर ने 112 डायल कर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही 112 डायल पुलिस मौके पर पहुंची और अनिल सिंह को समझने की कोशिश की लेकिन अनिल सिंह द्वारा 112 में पदस्थ पुलिसकर्मी को ही गाली गलौज एवं जान से मारने की धमकी दे डाली तथा दरवाजा बंद कर घुस गया उसके बाद पुलिसकर्मी ने थाना जैतहरी को सूचना दी इसके बाद मौके में पुलिस करें पहुंचकर अनिल सिंह को जैतहरी थाना ले जाया गया।

इनका कहना है

जानकारी मिलते ही तत्काल आरोपित अनिल परस्ते को गिरफ्तार कर लिया गया है और 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की जा रही है।

अमर वर्मा, निरीक्षक थाना जैतहरी

मप्र कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह और दिलीप अहिरवार ने अमरकंटक में कल्याण सेवाश्रम का दौरा किया

अमरकंटक। मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह और दिलीप अहिरवार ने बुधवार को अमरकंटक स्थित प्रसिद्ध कल्याण सेवाश्रम का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सेवाश्रम के संस्थापक और पूज्य संत बाबा कल्याण दास जी से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मंत्रियों ने बाबा कल्याण दास जी के साथ अमरकंटक क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के दौरान अमरकंटक को एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया।

जिले में 13.6 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

अनुपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 13.6 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर में 1 मिली मीटर , कोतमा में 25 मिली मीटर, बिजुरी में 5.8 मिली मीटर, पुष्पराजगढ़ में 36.8 मिली मीटर, अमरकंटक में 31.8 मिली मीटर तथा बेनीबारी में 8.6 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई ।

क्रेडिट लेने की होड़ में पितृ पक्ष में ही कर दिया पवित्र नगरी में भूमिपूजन

अरे ! इतनी भी क्या जल्दी थी 'सरकार'

अमरकंटक में कपिलधारा पहुँच मार्ग का लोक निर्माण विभाग मंत्री ने किया भूमि पूजन

धार्मिक गं्रथों के अनुसार पितृ पक्ष में 'भूमिपूजन' करना नहीं माना जाता सही

जल्दबाजी मे धार्मिक प्रतिबंधों को भी किया दरकिनार, जनप्रतिनिधियों व धर्मप्रेमियों के समक्ष सरकार के गाये गुणगान

सिद्धांतों और आदर्शों पर आधारित राजनीतिक व सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पितृ पक्ष के दौरान 10 सितंबर को पवित्र नगरी अमरकंटक में मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण विभाग मंत्री, जिले के प्रभारी मंत्री ने जनप्रतिनिधियों व धर्म प्रेमियों के समक्ष सड़क निर्माण का भूमिपूजन कर सबको अचंभित कर दिया।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जबकि इस समय देश व प्रदेश मे कहीं भी चुनाव भी नही होने वाले हैं और न ही किसी प्रकार की आचार संहिता लगने वाली है वही धार्मिक गं्रथों के अनुसार पितृ पक्ष में सड़क या भूमि का भूमिपूजन करना सही नहीं माना जाता है। क्योंकि इस अवधि को पितरों के प्रति सम्मान दिखाने का समय माना जाता है और इन कार्यों को अशुभ माना जाता है।

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष एक पवित्र और विशेष अवधि है, जो भाद्रपद मास की पूर्णिमा से आरंभ होकर अश्विन मास की अमावस्या तक कुल 16 दिनों तक चलता है। इसे पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए समर्पित माना जाता है। इस दौरान श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान जैसे कर्म अत्यंत महत्व रखते हैं। शास्त्रों में इसे अशुभ काल कहा गया है क्योंकि यह मृत्यु से जुड़े संस्कारों से संबंधित है, किन्तु यह सब जानते हुये भी पितृ पक्ष के तीसरे दिन 10 सितंबर को पवित्र नगरी अमरकंटक में कपिलधारा पहुँच मार्ग का लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह एवं अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार ने भूमि पूजन किया। जबकि पितृ पक्ष में सड़क (भूमि) का भूमिपूजन करना सही नहीं है क्योंकि यह एक ऐसा समय होता है जब नए निर्माण कार्य, व्यावसायिक गतिविधियाँ या बड़े उपक्रम शुरू नहीं किए जाते हैं, इसे अशुभ माना जाता है और इस दौरान पितरों के लिए तर्पण और श्राद्ध जैसे कार्यों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

खुद मुख्यमंत्री महाकाल के भक्त

ज्ञात हो कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं धार्मिक नगरी उज्जैन से आते हैं तथा वे भगवान कृष्ण के परम भक्त हैं वही उनके मंत्री भी भक्ति भावना मे लीन रहने वाले नेता हैं इसके बाद भी पितृ पक्ष मे भूमिपूजन किया जाना समझ से परे है। अमरकंटक मे सड़क निर्माण के भूमिपूजन की तारीख को आगे भी बढ़ाया जा सकता था, यदि क्रेडिट लेने की बहुत जल्दी थी तो पितृ पक्ष के पहले भी भूमिपूजन किया जा सकता था, लेकिन धार्मिक कार्यों मे हिस्सा लेने वाले तथा धर्म जानकार जब ऐसे कार्य करेंगे तो नास्तिक की कोई बात ही नही।

लोक निर्माण विभाग मंत्री ने किया भूमिपूजन

लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह ने अमरकंटक में 5.10 किलोमीटर लंबी कपिलधारा पहुँच मार्ग का भूमि पूजन कर कहा कि इस मार्ग का निर्माण 1018 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री सिंह ने कहा कि कपिलधारा पहुँच मार्ग का निर्माण होने से क्षेत्र में पर्यटन विकास को नई गति मिलेगी तथा स्थानीय निवासियों को आवागमन की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। उन्होने स्वयं स्वीकारते हुये कहा कि अमरकंटक एक पवित्र धार्मिक एवं पर्यटन नगरी है, जहाँ मां नर्मदा का उद्गम होता है। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा विश्व की ऐसी अद्वितीय नदी हैं, जिनकी परिक्रमा की जाती है और जिनके दर्शन मात्र से पुण्य की प्राप्ति होती है। अमरकंटक, जो मां नर्मदा का उद्गम स्थल है, ऋषि-मुनियों और तपस्वियों की तपोभूमि रहा है। यहां अनगिनत संतों ने मां नर्मदा के चरणों में तपस्या कर जगत कल्याण में योगदान दिया।

प्रभारी मंत्री ने भी किया संबोधित

मध्यप्रदेश शासन के वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री एवं अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार ने कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा पूरे प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह द्वारा अमरकंटक में कपिलधारा पहुँच मार्ग का भूमि पूजन किया गया है। यह निश्चित रूप से अमरकंटक के विकास की नई गाथा लिखेगी। ज्ञात हो कि मंत्री द्वय अमरकंटक सिर्फ भूमिपूजन के लिए ही पहुंचे थे जिसके बाद वे अन्य यात्रा की ओर निकल पड़े।

विभाग ने मीडिया से बनाई दूरी

जिले मे तीन तीन मंत्रियों का आगमन हुआ। बाकायदे लोक निर्माण विभाग द्वारा आमंत्रण का पत्र भी छपवाकर बंटवाया गया, लेकिन इस आयोजन से जिले के मीडिया को दूर रखा। अब उसका क्या कारण होगा विभाग ही बतायेगा, लेकिन यह तय था कि अगर आज मीडिया लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह से मुलाकात करती तो जिले मे सड़कों की जो दुर्दशा है उस पर जरूर शिकायत करती। उदाहरण के तौर पर एक माह पूर्व कलेक्ट्रेट मार्ग पर एक किलोमीटर लंबी सड़क डिवाइडर सहित बनाया गया जो एक पखवाड़े मे ही धराशायी हो गया।

स्टैंडिंग कमेटी की बैठक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगरपालिकाओं की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के अंतर्गत स्टैंडिंग कमेटी की बैठक अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिलीप कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कार्यालय कलेक्टर में सम्पन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलो के प्रतिनिधि, जिला निर्वाचन कार्यालय के संजय निगम आदि उपस्थिति रहे। बैठक में बताया गया कि नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2025 के अंतर्गत मतदान केन्द्रों में निर्धारित समय तक प्राधिकृत अधिकारियो द्वारा शिफ्टिंग सूची, वेरिफिकेशन सूची, जांच सूची पर कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात आयोग द्वारा जारी समय सारणी में नाम जोड़े जाने एवं विलोपित किए जाने तथा प्रारूप मतदाता सूची के संबंध में दावे-आपत्ति लिये जाने, दावे-आपत्तियों का निराकरण किए जाने, फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का नगरपालिका वार्ड तथा अन्य विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन किया जाएगा। बैठक में विभिन्न राजनैतिक दलों से जिले की नगरपालिकाओं के मतदान केन्द्रों में मतदाता सूची एजेंट नियुक्त किए जाने की अपील की गई, ताकि त्रुटिरहित मतदाता सूची का प्रकाशन किया जा सके। बैठक में उपस्थित राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को नगरपालिका में फोटोयुक्त मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय सारणी भी उपलब्ध कराई गई।

पर्यूषण पर्व के उपरांत श्री जी का विमानोत्सव संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। श्री जी की शोभायात्रा जैन मंदिर होते हुए अहिंसा चौक, नगरपालिका चौक, पानी टंकी, तुलसी भवन, अटल द्वार के रास्ते जैन मंदिर पहुंची। मंदिर प्रांगण मे श्री जी का अभिषेक एवं शांतिधारा सम्पन्न की गई। विमानोत्सव में कोतमा, अनूपपुर, चचाई, धनपुरी, पेंड्रा, राजेंद्रग्राम इत्यादि अन्य जगह से भी जैन धर्मावलंबी शामिल हुए।

वर्षों से एक ही जगह अंगद की पांव की तरह जमे जिम्मेदार

कुर्सी छोड़ने को नही हो रहे तैयार, सरकारी निर्देश दरकिनार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा।

जिले मे आज भी पूरी तरह से संलग्नीकरण व्यवस्था को समाप्त नही किया गया है। जिसका नमूना विकासखंडों में खुले आम शासन के निर्देशों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। स्थिति यह है कि यहां पर वर्षो से छात्रावासों में अधीक्षक के पद पर शिक्षकों की पदस्थापना की गई है जो अंगद की तरह पैर जमाए हुए हैं यही हाल कुछ विद्यालय में भी है जिन विद्यालय के शिक्षकों को शासकीय कार्यालय में संलग्न किया गया है। इसका मुख्य कारण यह है कि इन्हें शिक्षकीय कार्य ना करना पड़े एवं छात्रावासों में वर्षों से अधीक्षक के पद पर जमे हुए हैं ऐसा लगता है कि इन्हें जिले के वरिष्ठ अधिकारियों का बरधस्त प्राप्त हो तभी तो यह अंगद की तरह पैर जमाये हुए हैं।

दिये गए थे निर्देश

लोक शिक्षण संचालनालय ने सख्त आदेश निकालते हुए निर्देश दिया गया था कि गैर शिक्षकीय कार्यों में लगे शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से कार्य मुक्त कर उन्हें उनके मूल पदस्थापना वाले स्थान यानि स्कूलों में वापस किया जाये जिससे स्कूलों का काम सही तरीके से हो सके, निर्देश में कहा गया था कि भविष्य में कभी किसी शिक्षक को गैर शिक्षकीय कार्य में न लगाया जाये, आदेश का उल्लंघन करने वाले अधिकारी पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

शिक्षकों को गैर शिक्षकीय कार्य में नहीं लगाने के आदेश

नए शिक्षण सत्र में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर गंभीर प्रदेश सरकार ने कहा है कि शिक्षकों को गैर शिक्षकीय कार्य में लगाया तो उस अधिकारी की खैर नहीं, लोक शिक्षण संचालनालय ने इसी आशय का पत्र एक बार फिर जारी किया था जिसमें सभी जिलों के कलेक्टर, सभी जिलों के जिला पंचायत सीईओ, सभी संभागीय संयुक्त संचालक और सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी किया गया था। पत्र में पिछले कई वर्षों में जारी आदेशों का हवाला देते हुए कहा गया था कि किसी भी शिक्षक को गैर शिक्षकीय कार्य में लगाना प्रतिबंधित है बावजूद इसके ये देखने में आ रहा है कि ऐसा हो रहा है इसलिए आदेश दिया जाता है कि गैर शिक्षकीय कार्य में लगे शिक्षकों को तत्काल कार्यमुक्त कर उन्हें उनके मूल पद स्थापना स्कूल में भेजें, जिससे शिक्षण कार्य सुचारू रूप से कराया जा सके, इस आदेश का उल्लंघन करने वाले अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वर्षों से जमे जिम्मेदार

जिले के अनुपपुर एवं कोतमा विकासखंड अंतर्गत कई शिक्षकों को छात्रावास का अधीक्षक बनाया गया है। शिक्षकों को दो छात्रावासों का प्रभार सौंपा गया है। कोतमा विकासखंड में स्थित उत्कृष्ट अजजा कन्या सीनियर छात्रावास में शासकीय प्राथमिक शाला छपरा टोला मे पदस्थ शिक्षक राधा प्रजापति 8 वर्षो से अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास कोतमा में एवं रामखेलावन प्रजापति प्राथमिक शिक्षक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेराबांध को तीन बर्षो से अ ज जा बालक आश्रम बहेरा बांध में एवं अनुपपुर विकास खंड के देवगवां के माध्यमिक शाला मुडधोवा मे पदस्थ शिक्षक किशोरी पुसाम को जैतहरी ब्लाक के जरियारी मे कन्या छात्रावास में लगभग आठ बर्षो से संलग्न किया गया है इसके बदले मुडधोवा स्कूल मे अतिथि शिक्षक भर्ती कर काम चलाया जा रहा है जिससे शासन का अतिरिक्त राशि तो व्यय हो ही रही है साथ ही शासन के नियमों की अनदेखी की जा रही है सूत्र बताते हैं कि संभाग में बैठे शिक्षा विभाग के एक जिम्मेदार अधिकारी का बरधस्त प्राप्त है। जबकि शासन का निर्देश है कि गैर शिक्षकीय कार्य में लगे शिक्षकों को तत्काल ही वापस स्कूलों में भेजा जाए एवं संलग्नीकरण तत्काल समाप्त करने का आदेश जारी किया गया था, लेकिन जिले एवं संभाग के अधिकारियों के द्वारा शासन के निर्देशों की धज्जियां उड़ाते हुए अधीक्षक के पद पर अपने चहेतों को आसीन किया गया हैं ।

पूर्व में जिला कलेक्टर के द्वारा एक आदेश निकाला गया था कि जो भी शिक्षक गैर शिक्षकीय एवं छात्रावास में अधीक्षक के पद पर पदस्थ है उन्हें तत्काल ही वापस स्कूल भेजा जाए उनकी जगह अलग से छात्रावासों में संकुल के अंदर के शिक्षकों को अधीक्षक के पद पर पदस्थ किया जाएगा तथा कलेक्टर के निर्देश पर सहायक आयुक्त के द्वारा आवेदन भी मांगे गए थे लेकिन वह कागजो में दब कर रह गया।

मंत्री ने दिये थे निर्देश

विगत वर्ष जिले के अमरकंटक में विभागीय मंत्री ने अधिकारियों की विभागीय बैठक में साफ तौर पर निर्देश दिए थे कि जो भी शिक्षक गैर शिक्षकीय एवं छात्रावासों में अधीक्षक के पद पर पदस्थ हैं उन्हें उनके मूल पद स्कूल में वापस भेजा जाए। उन्होंने यह भी कहा था कि आश्रम में अधीक्षक के पदो की भर्ती संविदा रूप से शासन स्तर पर की जाएगी जिससे मानसिक रूप से बच्चे मजबूत हो सके, लेकिन उनका भी निर्देश जिले में बेअसर नजर साबित होता नजर आ रहा है।

---

57 हितग्राहियों के खातों में हुआ अनुग्रह सहायता राशि का अंतरण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल से मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल 2.0) योजना अंतर्गत प्रदेश के 7 हजार 953 श्रमिक परिवारों को 175 करोड़ की अनुग्रह सहायता राशि का वितरण सिंगल क्लिक के माध्यम से किया। जिसमें अनूपपुर जिले के 57 हितग्राहियों के खातों में डीबीटी के माध्यम से कुल 1 करोड़ 30 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया। जिले में योजनांतर्गत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 8 हितग्राहियों को 4-4 लाख रुपये तथा सामान्य मृत्यु होने पर 49 हितग्राहियों को 2-2 लाख रुपये की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के परिजनों को दी जा रही अनुग्रह सहायता राशि का सदुपयोग करने और जीवन में आगे बढ़ने की सलाह दी। इस कार्यक्रम को कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष सहित जिले के जनपद व नगरीय एवं ग्रामीण निकायों में देखने एवं सुनने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी। जिला स्तर पर एनआईसी कक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह, श्रम पदाधिकारी अनुव्रत देव द्विवेदी सहित मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल 2.0) योजना के हितग्राही उपस्थित थे। कार्यक्रम में हितग्राही ऊषा चौधरी एवं वैष्णवी पटेल को प्रतीक स्वरूप अनुग्रह सहायता राशि के प्रमाण पत्र भी सौंपे गए।

आयोजित किया गया विधिक साक्षरता शिविर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। श्रीमती माया विश्वलाल, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनूपपुर के निर्देशानुसार एवं विनोद कुमार वर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के मार्गदर्शन में 10.09.2025 को उप स्वास्थ्य केन्द्र चकेटी में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटैल द्वारा बताया गया कि वर्तमान में आमजन अपने व्यवसाय, परिवार एवं नौकरी को लेकर तनाव में रहते है। जब तनाव अधिक हो जाता है तो वे आत्महत्या करने जैसा गलत कदम उठाते हैं। जिससे उनका परिवार बिखर जाता है। योग, ध्यान एवं व्यायाम द्वारा तनाव कम किया जा सकता है। उन्होंने विधिक सहायता एवं विधिक सलाह, मध्यस्थता इत्यादि की जानकारी दी साथ ही 13 सितम्बर को आयोजित नेशनल लोक अदालत के संबंध में विभिन्न विभागों द्वारा दी गई छूट लेने हेतु आमजन को अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। उक्त कार्यक्रम में नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती प्रभा राठौर द्वारा मानसिक तनाव दूर करने के संबंध में टोल फ्री नंबर की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में शासकीय हाई स्कूल ग्राम चकेटी के विद्यालय के बच्चों द्वारा आत्महत्या की रोकथाम के संबंध में नुक्कड़-नाटक, निबंध प्रतियोगिता, रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया गया एवं प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आए विद्यार्थियों को पुरूस्कार एवं शिल्ड का वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय से डॉ0 धनीराम सिंह, डॉ0 प्रवीण शर्मा मेडिकल ऑफिसर, डॉ0 शैवेन्द्र द्विवेदी, डॉ0 संदीप पाण्डेय, शिक्षक सुरेन्द्र कुमार मिश्र सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम आंगनबाड़ी सहायिका एवं विद्यालय के बच्चें उपस्थित रहे।

ओपन फुटबॉल प्रतियोगिता अमरकंटक मे हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूजअमरकंटक। मा नर्मदा जी के उद्गम स्थल नगरी अमरकंटक में ओपन फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया जिसमें पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक फुन्देलाल सिह मार्को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हूए विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष पार्वती उईके संतोष कुमार पांडेय श्यामलाल सेन ओमप्रकाश अग्रवाल विधायक के पुत्र अमितोष सिंह मार्को सभापति एवं पार्षद गण शक्ति शरण पांडेय जोहन चंद्रवंशी निधि जैन देवानंद खत्री बर्फानी आश्रम के प्रतिनिधि के रूप शुक्ला अमरकंटक इन के संचालक धर्मेन्द्र सोनी रिषभ सिंह साहील अग्रवाल मथुरा मिश्रा पत्रकार सोमु दुबे सभी अतिथियों का कमेटी के सदस्यों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत वंदन अभिनंदन किया गया। विधायक द्वारा मैदान में पुजा अर्चना कर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया गया। मैच मझोली मध्यप्रदेश एवं लालपुर छत्तीसगढ़ के बीच खेला जाएगा। विधायक खिलाड़ीयों का उत्साह वर्धन कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना कि साथ ही इस आयोजन के लिए कमेटी के सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किये। इस शानदार आयोजन के लिए ओमप्रकाश अग्रवाल एवं बर्फानी आश्रम के तरफ से पांच, पाच हजार रुपए की राशी सहयोग प्रदान की गई।